जनरेटिव आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस द्वारा सशक्त पाठ योजनाए वं शिक्षण रणनीतियाँ

सुनीता तलवाड, प्रवक्ता, एम. एम. शिक्षण महाविद्यालय, फतेहाबाद
E-Mail: sunitatalwar6551@gmail.com

सारांश

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) के तीव्र विकास ने शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन की संभावनाएँ उत्पन्न की हैं। विशेष रूप से जनरेटिव आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (Generative AI)ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, लचीला एवं छात्र-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों को पाठ योजना निर्माण, विविध अधिगम स्तरों के अनुरूप शिक्षण रणनीतियाँ विकसित करने, मूल्यांकन प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने तथा समय प्रबंधन जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जनरेटिव AI एक सहायक एवं सशक्त उपकरण के रूप में उभरकर सामने आया है।

यह शोधपत्र जनरेटिव AI द्वारा सशक्त पाठ योजना एवं शिक्षण रणनीतियों का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि किस प्रकार AI आधारित उपकरण शिक्षकों को पाठ उद्देश्यों के निर्धारण, शिक्षण सामग्री के सृजन, गतिविधि-आधारित अधिगम, वैयक्तिक शिक्षण तथा सतत मूल्यांकन में सहायता प्रदान करते हैं। जनरेटिव AI शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की शिक्षण सामग्री—जैसे कार्यपत्रक, प्रश्नोत्तरी, परियोजना कार्य, केस स्टडी तथा डिजिटल संसाधन—तैयार करने में समर्थ बनाता है, जिससे कक्षा शिक्षण अधिक रोचक और सहभागितापूर्ण हो जाता है।

शोधपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जनरेटिव AI शिक्षण रणनीतियों को नवाचारी स्वरूप प्रदान करता है। सहयोगात्मक अधिगम, समस्या-समाधान आधारित शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम तथा मिश्रित शिक्षण (Blended Learning) जैसी विधियों को AI के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। यह तकनीक विद्यार्थियों की आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता एवं डिजिटल दक्षताओं के विकास में सहायक सिद्ध होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में जनरेटिव AI का विशेष महत्व है, क्योंकि यह नीति तकनीक-समर्थ, कौशल-आधारित एवं अनुभवात्मक अधिगम पर बल देती है। जनरेटिव AI इन उद्देश्यों की प्राप्ति में एक सशक्त माध्यम बन सकता है, बशर्ते इसका उपयोग संतुलित एवं नैतिक रूप से किया जाए।

हालाँकि, जनरेटिव AI के उपयोग से संबंधित कुछ चुनौतियाँ भी सामने आती हैं, जैसे डेटा गोपनीयता, तकनीकी निर्भरता, नैतिकता तथा शिक्षकों में डिजिटल दक्षता का अभाव। शोधपत्र में इन चुनौतियों के समाधान हेतु प्रशिक्षण, नीति-निर्देशों तथा मानव-तकनीक के संतुलित समन्वय पर बल दिया गया है।

अतः यह अध्ययन दर्शाता है कि जनरेटिव आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस शिक्षक सशक्तिकरण का एक प्रभावी साधन है, जो शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को आधुनिक, समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण बना सकता है।यदि इसका संतुलित एवं नैतिक उपयोग किया जाए, तो यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकता है।